"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार"

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

हिंदी विभाग

नोटिस क्र. 1632/2024-25

दिनांक: 13\09\2024

नोटिस

महाविद्यालय के वरिष्ठ विभाग के सभी विद्यार्थीयों को सूचित किया जाता है कि हिंदी विभाग की ओर से दि. 14 सितंबर, 2024 से 24 सितंबर, 2024 तक हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया है। हिंदी सप्ताह में निम्नलिखित प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जो छात्र प्रतियोगिता में सहभाग लेना चाहते हैं या अधिक जानकारी के लिए डॉ. आरिफ महात और डॉ दीपक तुपे से संपर्क करें। स्पर्धा में विजेता छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा और सहभागी छात्रों को प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

संपर्क-

डॉ. आरिफ महात – 9820857089

डॉ दीपक तुपे – 8805282610

प्रतियोगिता का विवरण:-

अ क्र	तिथि	स्पर्धा का नाम	विषय	रूम नं.
1	14/9/2024		हिंदी सप्ताह का उद्घाटन समारोह	23
2	17/9/2024	समीक्षा लेखन प्रतियोगिता	1 आपके द्वारा कोई देखी गई फिल्म की समीक्षा करें 2 आपके द्वारा पढी किसी किताब की समीक्षा करें	23
3	19/9/2024	वक्तृत्व प्रतियोगिता	1 बेरोजगारी: समस्या एवं समाधान 2 लोकतंत्र में चुनाव: अपेक्षा और यथार्थ 3 राजश्री शाहू महाराज: सामाजिक समता के वारकरी 4 सामाजिक समता: समय को आवश्यक्ता 5 चलो, जीवन के बारे में बात करें	24
4	20/9/2024	निबंध प्रतियोगिता	1 अप्राकृतिक बुद्धिमता (A.I.): शाप या वरदान 2 दम तोडता पर्यावरण 3 राजश्री शाहू महाराज: सामाजिक समता के वारकरी 4 सिनेमा और समाज	23
5	21/9/2024	स्वरचित काव्य वाचन प्रतियोगिता	स्वरचित किसी एक कविता का वाचन करें	23
6	24/9/2024		हिंदी सप्ताह का समापण और पारितोषिक वितरण समारोह	11

डॉ. आरिफ महात
विभाग प्रमुख
हिंदी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

डॉ आर. आर. कुंभार
प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

Jr. College Recog.No. H.S.C./ 1074/R-1/DT : 8-8-1976
Jr. College Code No. 23-09-002
Jr. College U.Dise No. 27341301006

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"
-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Estd.: June 1964

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थेचे

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

२१३०,ई, ताराबाई पार्क, कोल्हापूर, ता. करवीर, जि. कोल्हापूर - ४१६००३
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर संलग्नित
नॅक मानांकन : "A"(सी.जी.पी ए. ३. २४)
कॉलेज उईथ पोटेन्शियल फॉर एक्सलन्स, यु.जी.सी., न्यु दिल्ली
स्टार कॉलेज – डी.बी.टी. – भारत सरकार
आय. एस ओ . ९००१:२०१५

(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)
कोल्हापूर

Ph. : 0231-2658612 | Fax : 0231-2658840 | Resi.: 0231-2653962 | Website :www.vivekanandcollege.ac.in | E-mail :info@vivekanandcollege.org

संस्थापक	अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	सचिव	प्राचार्य
डॉ. बापूजी साळुंखे D.Lit.	मा. आमदार चंद्रकांत दादा पाटील MLA	प्राचार्य अभयकुमार साळुंखे M.A.	प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे M.Sc.,B.Ed.	डॉ. आर आर कुंभार M.Sc.,M.Phil.,Ph.D.

जावक क्रमांक व्हि.सी.के. / 1632/2024-25

दिनांक : 13/9/2024

सेवा में

प्रा. अजय कांबळे

सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग,

कमला कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

विषय : समीक्षा लेखन प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप में उपस्थित रहने हेतु ।

महोदय,

हमारे महाविद्यालय में दि. 14 सितंबर, 2024 से 24 सितंबर, 2024 हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस सप्ताह में दिनांक 17 सितंबर, 2024 को सुबह 10.00 बजे **समीक्षा लेखन** प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप में उपस्थित रहने कृपा करें। उम्मीद है कि आप हमारा निमंत्रण स्वीकार कर छात्रों को मार्गदर्शन करें ।

धन्यवादसहित ।

भवदीय,

(डॉ. ए. एस. महात)
विभाग प्रमुख

(डॉ.आर. आर. कुंभार)
प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

E:Hindi dept\2223\small leter.

Jr. College Recog.No. H.S.C./ 1074/R-1/DT : 8-8-1976
Jr. College Code No. 23-09-002
Jr. College U.Dise No. 27341301006

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"
-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Estd.: June 1964

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थेचे

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

२१३०,ई, ताराबाई पार्क, कोल्हापूर, ता. करवीर, जि. कोल्हापूर - ४१६००३
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर संलग्नित
नॅक मानांकन : "A"(सी.जी.पी ए. ३. २४)
कॉलेज उईथ पोटेन्शियल फॉर एक्सलन्स, यु.जी.सी., न्यु दिल्ली
स्टार कॉलेज – डी.बी.टी. – भारत सरकार
आय. एस ओ . ९००१:२०१५

(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)
कोल्हापूर

Ph. : 0231-2658612 | Fax : 0231-2658840 | Resi.: 0231-2653962 | Website :www.vivekanandcollege.ac.in | E-mail :info@vivekanandcollege.org

संस्थापक	अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	सचिव	प्राचार्य
डॉ. बापूजी साळुंखे D.Lit.	मा. आमदार चंद्रकांत दादा पाटील MLA	प्राचार्य अभयकुमार साळुंखे M.A.	प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे M.Sc.,B.Ed.	डॉ. आर आर कुंभार M.Sc.,M.Phil.,Ph.D.

जावक क्रमांक व्हि.सी.के. / 1632/2024-25

दिनांक : 13/9/2024

सेवा में
श्री हणमंत कांबळे
शोध छात्र, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर ।

विषय : समीक्षा लेखन प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप में उपस्थित रहने हेतु ।

महोदय,

हमारे महाविद्यालय में दि. 14 सितंबर, 2024 से 24 सितंबर, 2024 हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस सप्ताह में दिनांक 17 सितंबर, 2024 को सुबह 10.00 बजे **समीक्षा लेखन** प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप में उपस्थित रहने कृपा करें। उम्मीद है कि आप हमारा निमंत्रण स्वीकार कर छात्रों को मार्गदर्शन करें ।

धन्यवादसहित ।

भवदीय,

(डॉ. ए. एस. महात)
विभाग प्रमुख

(डॉ.आर. आर. कुंभार)
प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

E:Hindi dept\2223\small leter.

Jr. College Recog.No. H.S.C./ 1074/R-1/DT : 8-8-1976
Jr. College Code No. 23-09-002
Jr. College U.Dise No. 27341301006

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"
-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Estd.: June 1964

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थेचे

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

२१३०,ई, ताराबाई पार्क, कोल्हापूर, ता. करवीर, जि. कोल्हापूर - ४१६००३
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर संलग्नित
नॅक मानांकन : "A"(सी.जी.पी ए. ३. २४)
कॉलेज उईथ पोटेन्शियल फॉर एक्सलन्स, यु.जी.सी., न्यु दिल्ली
स्टार कॉलेज – डी.बी.टी. – भारत सरकार
आय. एस ओ . ९००१:२०१५

(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)
कोल्हापूर

Ph. : 0231-2658612 | Fax : 0231-2658840 | Resi.: 0231-2653962 | Website :www.vivekanandcollege.ac.in | E-mail :info@vivekanandcollege.org

संस्थापक	अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	सचिव	प्राचार्य
डॉ. बापूजी साळुंखे D.Lit.	मा. आमदार चंद्रकांत दादा पाटील MLA	प्राचार्य अभयकुमार साळुंखे M.A.	प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे M.Sc.,B.Ed.	डॉ. आर आर कुंभार M.Sc.,M.Phil.,Ph.D.

जावक क्रमांक व्हि.सी.के. /समक्ष/ 2024-25

दिनांक : 17/9/2024

सेवा में
प्रा. अजय कांबळे
सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग,
कमला कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

विषय : कृतज्ञता ज्ञापन . . . ।

महोदय,

हमारे महाविद्यालय में दि. 14 सितंबर, 2024 से 24 सितंबर, 2024 हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस सप्ताह में दिनांक 17 सितंबर, 2024 को सुबह 10.00 बजे **समीक्षा लेखन** प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप में उपस्थित रहें। अत: महाविद्यालय का हिंदी विभाग आपके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हैं।

धन्यवादसहित ।

भवदीय,

(डॉ. ए. एस. महात)
विभाग प्रमुख

(डॉ.आर. आर. कुंभार)
प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

Jr. College Recog.No. H.S.C./ 1074/R-1/DT : 8-8-1976
Jr. College Code No. 23-09-002
Jr. College U.Dise No. 27341301006

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"
-शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Estd.: June 1964

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्थेचे

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

२१३०,ई, ताराबाई पार्क, कोल्हापूर, ता. करवीर, जि. कोल्हापूर - ४१६००३
शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर संलग्नित
नॅक मानांकन : "A" (सी.जी.पी.ए. ३.२४)
कॉलेज उईथ पोटेन्शियल फॉर एक्सलन्स, यु.जी.सी., न्यु दिल्ली
स्टार कॉलेज – डी.बी.टी. – भारत सरकार
आय. एस ओ . ९००१:२०१५

(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)
कोल्हापूर

Ph. : 0231-2658612 | Fax : 0231-2658840 | Resi.: 0231-2653962 | Website :www.vivekanandcollege.ac.in | E-mail :info@vivekanandcollege.org

संस्थापक	अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	सचिव	प्राचार्य
डॉ. बापूजी साळुंखे D.Lit.	मा. आमदार चंद्रकांत दादा पाटील MLA	प्राचार्य अभयकुमार साळुंखे M.A.	प्राचार्या सौ. शुभांगी गावडे M.Sc.,B.Ed.	डॉ. आर आर कुंभार M.Sc.,M.Phil.,Ph.D.

जावक क्रमांक व्हि.सी.के. / समक्ष / 2024-25 दिनांक : 17/9/2024

सेवा में
श्री हणमंत कांबळे
शोध छात्र, हिंदी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर ।

विषय : कृतज्ञता ज्ञापन . . . ।

महोदय,

हमारे महाविद्यालय में दि. 14 सितंबर, 2024 से 24 सितंबर, 2024 हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया है। इस सप्ताह में दिनांक 17 सितंबर, 2024 को सुबह 10.00 बजे **समीक्षा लेखन** प्रतियोगिता में निर्णायक के रुप में उपस्थित रहें। अत: महाविद्यालय का हिंदी विभाग आपके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हैं।

धन्यवादसहित ।

भवदीय,

(डॉ. ए. एस. महात)
विभाग प्रमुख

(डॉ.आर. आर. कुंभार)
प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR * (Empowered Autonomous) * ESTD JUNE 1964

E:Hindi dept\2223\small leter,

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"
- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर संचलित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2024–25

प्रतियोगिता का नाम : समीक्षा लेखन प्रतियोगिता उपस्थिति पत्र

दि. 17/09/2024

अनु. क्र.	प्रतिभागी का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1.	Kirtika Suresh Kadam.	B.A SY	K.S.Kadam.
2.	श्रेया संजय कोळी	B.A. SY	SSkoli.
3.	नाजिया शकेश नदाफ	बी.ए. ०२	[illegible]
4.	Anjali Prashant Jadhav	BAFY	APJ
5.	Aaftab AbdulGani Patel	B.A.F.Y	[illegible]
6.	प्रविण प्रभाकर बालनाईक	B.A F.Y	PBalnaik
7.	यश प्रकाश पोवार	B.A F.Y	Y.P.[illegible]
8.	स्नेहल शिवाजी कांबळे	B.A. F.Y	[illegible]
9.	महेक इमरान मुल्लाणी.	B.A.FY	M.mullani
10.	Nilamkumari Narayanlal Purohit	B.Com.Fy	Nilam.
11.	Swaliha. Asif. Fakir.	B.Com Fy	[illegible]
12.	Ayesha Firoj Nagarji	B.Com Fy	A.F.Nagarji
13.	Mansi Anil Kamble	B.Com.I	M.A.K
14.	Siddhi. Dattatray Bavane	B.com I	[illegible]
15.	सानिया. जैनुल. खान	B.Com I	S.Khan
17.	शफाकतुल्ला मोमीन	B.ComI	[illegible]
18.	पायल संजय पारजी	B.A.II	R.S.Paraji

[signature]
डॉ. दीपक तुपे

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

[signature]
डॉ. आरिफ महात
विभाग प्रमुख
हिंदी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज कोल्हापूर.

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर संचलित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2024–2025

प्रतियोगिता का नाम : समीक्षा लेखन प्रतियोगिता अंकतालिका

दि. 17 / 09 / 2024

अ.क्र.	प्रतिभागी का नाम	विषय की प्रस्तुति अंक 15	भाषा अंक 15	वर्तनी अंक 10	समापन अंक 10	कुल अंक 50
1.	कु. किर्तीका सुरेश कदम	12	11	08	07	38
2.	श्रेया संजय कोळी	11	11	08	07	37
3.	नाजिया राकेश नदाफ	14	14	9	9	46
4.	अंजली प्रशांत जाधव	10	12	08	06	36
5.	आफताब अब्दुलगणी पटेल	09	09	07	07	32
6.	प्रविणा प्रभाकर बालनाईक	10	12	08	08	38
7.	यश प्रकाश पोवार	08	08	07	07	30
8.	स्नेहल शिवाजी कांबळे	14	11	08	07	40
9.	महेक इमरान मुल्लाणी	12	10	08	06	36
10.	निलकुमारी नारायणलाल पुरोहित	09	09	07	06	31
11.	स्वालिहा आसिफ फकिर	10	12	08	06	36
12.	आयेशा फिरोज नागरजी	09	11	09	07	36
13.	मानसी अनिल कांबळे	08	08	05	05	26
14.	सिध्दी दत्तात्रय भवाने	10	11	09	07	37
15.	सानिया जैनुल खान	08	07	06	06	27
16.	पायल संजय पारजी	13	14	08	08	43
17.	शफाकहुसैन मोमीन	13	13	09	09	44

परीक्षक का नाम: प्रा. अजय कोळी

हस्ताक्षर:

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR ESTD JUNE 1964 (Empowered Autonomous)

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापुजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर संचलित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2024–2025

प्रतियोगिता का नाम : समीक्षा लेखन प्रतियोगिता अंकतालिका

दि. 17/09/2024

अ.क्र.	प्रतिभागी का नाम	विषय की प्रस्तुति अंक 15	भाषा अंक 15	वर्तनी अंक 10	समापन अंक 10	कुल अंक 50
1.	कु. किर्तीका सुरेश कदम	11	11	08	06	36
2.	कु. श्रेया संजय कोळी	12	10	07	07	36
3.	कु. नाजिया राकेश नदाफ	13	14	9	9	45
4.	कु. अंजली प्रशांत जाधव	08	08	09	09	34
5.	कु. आफताब अब्दुलगणी पटेल	10	10	08	06	34
6.	प्रविण प्रभाकर बालनाईक	10	10	07	07	34
7.	यश प्रकाश पोवार	09	08	06	06	29
8.	स्नेहल शिवाजी कांबळे	12	10	07	07	36
9.	महेक इमरान मुलाणी	10	10	07	06	33
10.	निलकुमारी नारायणलाल पुरोहित	08	09	08	08	33
11.	स्वालिहा आसिफ फकिर	12	11	08	07	38
12.	आयेशा फिरोज नागरजी	10	10	08	08	36
13.	मानसी अनिल कांबळे	09	09	06	04	28
14.	सिद्धि दत्तात्रय भवाने	10	10	08	08	36
15.	सानिया जैनुल खान	08	06	07	07	28
16.	पायल संजय पारधी	12	13	08	09	42
17.	शफाक हुसैन मोमीन	13	12	09	09	43

परीक्षक का नाम: श्री. हणमंत कोळे

हस्ताक्षर: [signature]

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR ESTD JUNE 1964 (Empowered Autonomous)

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार"

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापुजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर संचलित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2024–25

संकलित अंकतालिका

प्रतियोगिता का नाम: समीक्षा लेखन प्रतियोगिता

दि. 17/09/2024

अ.क्र.	प्रतिभागी का नाम	परीक्षक 1	परीक्षक 2	कुल अंक	
1.	किर्तीका सुरेश कदम	38	36	74	
2.	श्रेया संजय कोळी	37	36	73	
3.	नाजिया राकेश नदाफ	46	45	91	- I
4.	अंजली प्रशांत जाधव	36	34	70	
5.	आफताब अब्दुलगणी पटेल	32	34	66	
6.	प्रविण प्रभाकर बोलनाईक	38	34	72	
7.	यश प्रकाश पोवार	30	29	59	
8.	स्नेहल शिवाजी कांबळे	40	36	76	
9.	महेक इमरान मुल्लाणी	36	33	69	
10.	निलकुमारी नारायणलाल पुरोहित	31	33	64	
11.	स्वालिहा आसिफ फकिर	36	38	74	
12.	आयेशा फिरोज नागरजी	36	36	72	
13.	मानसी अनिल कोळवे	26	28	54	
14.	सिद्धि दत्तात्रय भवाने	37	36	73	
15.	सानिया औंजुल खान	27	28	55	
16.	पायल संजय पारजी	43	42	85	- III
	शफाकहुसैन मोमीन	44	43	87	- II

1. प्रथम क्रमांक:

1. प्रथम क्रमांक - नाजिया राकेश नदाफ, बी. ए. भाग एक

2. दविवतीय क्रमांक: शफाकहुसैन मोमीन, बी. कॉम. भाग एक

3. तृतीय क्रमांक: पायल संजय पारजी, बी. ए. भाग दो

4. उत्तेजनार्थ 1: —

5. उत्तेजनार्थ 2: —

परीक्षक [signature]

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

परीक्षक [signature]

* पुस्तक समीक्षा *

GoodLuck Page No.
Date

नाजिया राकेश नदाफ
बी. ए. भाग - I
Mo.No - 9579243421
विषय : हिंदी

पुस्तक का नाम : गली तमाशे वाली।
लेखिका : अर्चना चतुर्वेदी।
विधा : उपन्यास।
प्रकाशक : भावना प्रकाशन।

हिंदी व्यंग्य में अर्चना चतुर्वेदी जी एक विशिष्ट और महत्वपूर्ण लेखिका के रूप में प्रतिष्ठित है। अर्चना जी को व्यंग की दुनिया में आए मुश्किल से सात-आठ साल हुए हैं। इस छोटे से अंतराल में उन्होंने व्यंग्य की दुनिया में अपनी अच्छी खासी जगह बना ली है। अर्चना जी के इस ~~प्र~~ प्रगति का मुख्य कारण वो खुब पढ़ती हैं यह बताया गया है।

"गली तमाशे वाली" अर्चना जी का पहला उपन्यास है। उनका यह उपन्यास 20-30 साल पहले के मथुरा की, वहा के बोली भाषा की, वहा के परिवेश की, वहा के गली-मुहल्ले की व्यंगात्मक पडताल करता हैं। सहज-सरल हास्य-मिश्रित शैली, मथुरा के भाषा की सजीवता ने इस उपन्यास में आकर्षण भरने का कार्य कीया है। अर्चना जी के पास जीवन और समाज का जो अनुभव है, विशेष कर उनकी मातृभूमी ब्रज क्षेत्र का, उसको चित्रित करते यह उपन्यास एक जिंदा तस्वीर आखों के सामने खडा करता हैं।

प्रस्तुत उपन्यास "गली तमाशे वाली" में कूल 22 अध्याय हैं। प्रत्येक अध्याय ~~अपन~~ अपने-आप में स्वतंत्र है, कीन्तू एक-दुसरे से क्रमवार ढंग से केवल जुडे हैं। इस उपन्यास की रचावट-बनावट कुछ यूं है, की इसमे कहानी भी है, और व्यंग्य भी है। अर्चना जी के हास्य-मिश्रित ~~मु~~ मथुरा की बोली

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR ESTD JUNE 1964 (Empowered Autonomous)

का उपयोग और व्यंगात्मक अंदाज पाठकों को आखिर तक बांधे रखता हैं।

'गली तमाशे वाली' यह शीर्षक सुनते ही ध्यान में आजाता हैं की इस उपन्यास में गली में लगातार होनेवाले कार्य-कलापों का वर्णन हुआ हैं, जो तमाशे कभी खतम ही नही होते हैं। उपन्यास के मुखपृष्ठ को देखा जाए तो, इसमें एक गली है; जो चौबों की हैं। चौबे यानी चतुर्वेदी यानी चारों वेदो के ज्ञाता। गली में घर के उपर वानर-सेना ने कब्जा कर रखा हैं, गली में एक नल भी है जो औरतो के लडने-झगडने का एक मुख्य अड्डा हैं।

यह जो गली है, वह २०-३० साल पुराने मथुरा के शहर की हैं। इस उपन्यास का मुख्य पात्र कैलाशनाथ है; जो सुशिक्षित हैं और सारे घर की जिम्मेदारीयाँ इनपर है, क्योंकि ये घर के बडे बेटे हैं। कैलाशनाथ के घर के लोग बस दुसरों से लडने-झगडने, ताने मारने, दुसरों की चुगली करने और दुसरों के घर आग लगवाके खुद उसका तमाशे का मजा लेने का मौका ढुंढते रहनेवाले हैं। सिर्फ इसी घर के लोग नही बल्की सारे गली के लोग ऐसे ही हैं, तभी तो 'गली तमाशे वाली' यह शीर्षक इस उपन्यास के लिए सार्थक हैं। कैलाशनाथ और उसकी पत्नी येसे कतई नही थे। वे दोनो हमेशा अपनी जिम्मेदारीयाँ ईमानदारी के साथ बखुबी निभाते रहे। अर्चना जी ने न केवल पुरूषों का वर्णन बल्कि स्त्रीयों को भी वर्णित कीया गया हैं।

कैलाशनाथ पूरी गली में सबसे ज्यादा पढे-लिखे होने के कारण उन्होंने उस जमाने में दहेज जैसी परंपरागत चली आ रही रूढी का स्वीकार नही करने का साहस कीया। अपनी एकलौती बेटी गुड्डो को पढा-लिखा कर अपने पैरों पर खडा करवाने की सोच से समाज में बेटीयाँ के

शिक्षण के महत्व को अधोरेखित किया गया है।

लेखिका अर्चना चतुर्वेदी जी ने कैलाशनाथ इस पात्र के माध्यम से दो संदेश देने का प्रयास कीया है। पहली ; हमें अपने प्रती और अपने जिम्मेदारीयो के प्रती ईमानदार रहना चाहिए। दुसरी ; चाहे कोई भी मुसीबत आए या कोई भी परेशानियाँ हो हमे संयम रखना है, और शांत रहकर उसका हल निकालना है। यह दो संदेश वास्तविक मनुष्य जीवन के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं।

जीवन की आपा-धापी से कुछ समय मिलने पर लेखिका को लेखन की अंन्त:प्रेरणा उत्पन्न होती है, और वो इंसानियत से लबरेज हो रिश्तों के ताने-बाने को एक सूत्र में पिरो 'गली तमाशेवाली' के तमाम तमाशो की रचना में पिरों कर पाठको के सामने प्रस्तुत करती हैं। उसके पात्र भी ऐसे जो आपके आस-पास मिल जाएंगे जैसे की- कैलाशनाथ, गयाप्रसाद, दयाशंकर, पुत्तन महाराज, पप्पू, बिरमा, नंदू, राकेश जैसे पात्रों की सुमार हैं।

कोई रचनाकार रचना अपनी दृष्टी से करता है और पाठक उसे अपनी दृष्टी से समझता है। दोनो की दृष्टी एक भी हो सकती है और अलग-अलग भी। अर्चना जीने इस उपन्यास मे इस समस्या को ही समाप्त कर दिया गया है, यानी की यह पुस्तक कीस कारण से और कीस भाव से व मनोस्थिती मे लिखी गई है यह पूरी तरह से स्पष्ट कर दिया गया है। बाकी तो व्यंगात्मक शैली है ही कमाल की।

यह उपन्यास लोकजीवन का अनूठा एंव सजीव चित्र प्रस्तुत करता है। जो लोग मथुरा के जन जीवन को करिब से समझते है, उनके समक्ष यह उपन्यास पूरे लोकजीवन का प्रभावी साक्षात्कार करता

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR ESTD JUNE 1964 (Empowered Autonomous)

हैं अर्चना जी नए शब्दों का सर्जन करने मे भी तो माहिर हैं। एक उदाहरण देखिए - "मुहल्ले मे नई टेक्नोलोजी यानी टेलीविजन का पदार्पण हो चुका था। कुछ घरों की छते एंटीना से शोभायमान हो चुकी हैं..... और घर के लोग 'एंटीनासन' करने में व्यस्त हैं"। यहाँ एंटीनासन शब्द को बिना किसी हो हल्ले के बड़ी तरकीब से गढ़ा गया है, और यही अर्चना जी की खूबी भी है। अर्चना जी की भाषा में मुहावरों की भरमार है। लेकिन सब उपन्यास में जरूरत के हिसाब से प्रयोग किए गए हैं।

अर्चना जीएक ऐसी अनूठी साहित्यकार है जिन्हें साहित्य की अनेक विधाओं पर महारत हासिल है। यह दिगर बात हैं की; आधुनिकता के बदलते परिवेश की, जीवन शैली, चिंतन, खान-पान और रहन-सहन पर पाश्चात सभ्यता ने यथेष्ट प्रभाव छोड़ा है। लेखिका इन सभी अवयवों पर अपने उपन्यास के चरित्रों और घटनाओं के माध्यम से बहुत कुछ कह जाती है।

लेखिका अर्चना चतुर्वेदी जी की चिंता इन स्त्रियों को लेकर है जो पती के चल-चलन से पिड़ीत है। किसी लड़की का जवान होना भी उनके लिए बड़ी सिरदर्द है। स्त्री-पुरूष का एक दुसरे के प्रती आकर्षित होना, मनोवैज्ञानिक और स्वाभाविक रूप से सरल-सहज प्रकिया है जिसे लेखिका ने प्रेम-प्रसंगो के माध्यम से एक वास्तविक रूप देती हैं। स्नेह, वात्सल्य और प्रेम को चित्रित करना लेखिका की यह दूर दृष्टी और नजरों के पनेपन को प्रतिबिंबीत करता हैं।

रेटींग : ★★★★★.

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR
ESTD JUNE 1964
(Empowered Autonomous)

GoodLuck Page No.
Date

नाम :- पायल संजय पारजी
कक्षा :- बी. ए. (सेकंडईयर)
विषय :- समीक्षा लेखन

"यही सच्च है कहानी"

मन्नु भंडारी का जन्म सन् 1931 में गाँव भानपुर जिला मंदसौर [मध्य प्रदेश] में हुआ परंतु उनकी इंटर तक की शिक्षा - दीक्षा हुई राजस्थान के अजमेर शहर में। बाद में उन्होंने हिंदी में एम. ए किया। दिल्ली के मिरांड हाऊस कॉलेज मे आध्यापन कार्य से अवकाश प्राप्ति के बाद आजकल दिल्ली में ही रहकर स्वतंत्र लेखन कर रही हैं।

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कथा साहित्य की प्रमुख हस्ताक्षर मन्नू भंडारी की प्रमुख रचनाएँ हैं - एक प्लेट सैलाब, मैं हार गई, यही सच है, त्रिशंकू (कहानी संग्रह); आपका बंटी, महाभोज (उपन्यास)। इसके आलवा उन्होंने फिल्म एवं टेलीविजन धारावाहिकों के लिए पटकथाएँ भी लिखी हैं। हाल ही में एक कहानी यह भी नाम से आत्म कथ्य का प्रकाशन। उनकी साहित्यिक उपलब्धियों के लिए हिंदी अकादमी के शिखर सम्मान साहित उन्हें अनेक पुरस्कार प्राप्त हो चुके जिनमें भारतीय भाषा परिषद, कोलकाता, राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के पुरस्कार शामिल हैं।

मन्नू भंडारी की कहानियाँ हो या उपन्यास उनमें भाषा और शिल्प की सादगी तथा प्रामाणिक अनुभूति मिलती है। उनकी रचनाओं में स्त्री - मन से जुडी अनुभूतियों की अभिव्यक्ति भी देखी जा सकती है। एक कहानी यह भी के संदर्भ में सबसे पहले तो हम यह जान ले कि मन्नू भंडारी ने पारिभाषिक अर्थ में कोई सिलसिलेवार आत्मकथा नहीं लिखी है। अपने आत्मकथ्य में उन्होंने उन व्यक्तियों और घटनाओं के बारे में लिखा है जो उनकी लेखकीय जीवन से जुड़े हुए [illegible] अंश मे मन्नू जी के किशोर जीव से जुड़ी [illegible] के साथ उनके पिताजी

COLLEGE KOLHAPUR ESTD JUNE 1964 (Empowered Autonomous)

और उनकी कॉलेज की प्राध्यापिका शीला अग्रवाल का व्यक्तित्व के विशेष तौर पर उभरकर आया है, जिन्होंने आगे चलकर उनके लेखकीय व्यक्तित्व के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेखिका ने यहां बहुत ही खूबसूरती से साधारण लड़की के असाधारण बनने के प्रारंभिक पड़ावों को प्रकट किया है। सन् '४६ - ४७' की आजादी की आंधी ने मन्नू जी को भी अछूता नहीं छोड़ा। छोटे शहर की युवा होती लड़की ने आजादी की लड़ाई में जिस तरह भागीदारी की, उसमें उसका उत्साह, ओज संगठन - क्षमता और विरोध करने का तरीका देखते ही बनता है।
जन्मी तो मध्य प्रदेश के भानपुरा गांव में थी, लेकिन मेरी यादों का सिलसिला शुरु होता है अजमेर के ब्रह्मपुरी मोहल्ले के उस दो - मंजिला मकान से, जिसकी ऊपरी मंजिल में पिताजी का साम्राज्य था, जहां वे निहायत अव्यवस्थित ढंग से फैली - बिखरी पुस्तकों - पत्रिकाओं और अखबारों के बीच या तो कुछ तो पढ़ते रहते थे या फिर 'डिक्टेशन' देते रहते थे। नीचे हम सब भाई - बहिनों के साथ रहती थीं हमारी बेपढ़ी - लिखी व्यक्तित्वविहीन माँ .... सवेरे तत्पर। अजमेर से पहले पिता जी इंदौर में थे जहां उनकी बड़ी प्रतिष्ठा थी, सम्मान था, नाम था। कांग्रेस के साथ - साथ वे समाज - सुधार के कामों से जुड़े हुए थे। शिक्षा के वे केवल उपदेश ही नहीं देते थे, बल्कि उन दिनों आठ - आठ, दस - दस विद्यार्थियों को अपने घर रखकर पढ़ाया है जिनमें से कई तो बाद में ऊँचे - ऊँचे ओहदों पर पहुंचे। ये उनकी खुशहाली के दिन थे और उन दिनों उनकी दरियादिली के चर्चे भी कम नहीं थे। एक और वे बेहद कोमल और संवेदनशील व्यक्ति थे तो दूसरी ओर बेहद क्रोधी और अहंवादी।
पर सब तो मैंने केवल सुना। देखा, तब तो इन गुणों के भग्नावशेषों को ढोते पिता थे। एक बहुत बड़े आर्थिक झटके के कारण वे इंदौर से अजमेर आ गए थे, जहां उन्होंने अपने अकेले के बल - बूते और हौसले से अंग्रेजी - हिंदी शब्दकोश

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD. JUNE 1964

GoodLuck Page No.
Date

था। इसने उन्हे यश और प्रतिष्ठा तो बहुत दी, पर अर्थ नही और शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरु कर दिया।

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous) ESTD JUNE 1964

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार"
- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2024 - 25

समीक्षा लेखन प्रतियोगिता की रिपोर्ट

महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से 17/09/2024 को सुबह 11 बजे कमरा क्रमांक 213 में समीक्षा प्रतियोगिता संपन्न हुई। इस समीक्षा लेखन प्रतियोगिता के विषय आपके द्वारा देखी गई फिल्म की समीक्षा करना, आपके द्वारा पढ़ी किताब की समीक्षा करना आदि थे। इस प्रतियोगिता का परीक्षण कमला कॉलेज के प्रा. अजय कांबले जी और शिवाजी विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के शोध छात्र हनमंत कांबले ने किया। इस प्रतियोगिता में प्रथम क्रमांक पर नाजिया राजेश नदाफ रही तो द्वितीय क्रमांक शफाक हुसैन मोमीन रहे और तृतीय क्रमांक पर पायल संजय पारजी रही। इस समारोह में बी. ए. भाग एक, दो और तीन के छात्र उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता का संयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर आर कुंभार जी के मार्गदर्शन में हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. आरिफ महात और हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. दीपक तुपे ने किया।

डॉ. दीपक तुपे

VIVEKANAND COLLEGE KOLHAPUR (Empowered Autonomous)
ESTD
JUNE
1964

डॉ. आरिफ महात
विभाग प्रमुख
हिंदी विभाग,
विवेकानंद कॉलेज कोल्हापूर.
(अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार"
- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (अधिकारप्रदत्त स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2024 -25

---

1. Name of Department : हिंदी विभाग

2. Name of organized Activity : समीक्षा लेखन प्रतियोगिता।

3. Date / Duration : 17/09/2024

4. Aims and objectives : 1. समीक्षा लेखन कला से छात्रों को अवगत कराना।
   2. कलात्मक और वैचारिक लिखने की बारीकीयों को समझाना।
   3. छात्रों को लेखन के लिए प्रेरित करना।

5. NO.of beneficiaries :Total = 17

Teachers		2
Students	Male	04
	Female	13

6. Expenditure & Funding agency: महाविद्यालय।

7. Brief description : समीक्षा कला की प्रक्रिया से छात्रों को अवगत करने हेतु समीक्षा लेखन प्रतियोगिता कराई गई। यह प्रतियोगिता महाविद्यालय के सभी छात्रों के लिए थी; जिसमें छात्रों ने बढचढ कर हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश कलात्मक और वैचारिक सोचने की बारीकीयों को समजते हुए समीक्षा कला के लिए छात्र कितने तयार है पता करना था। इस प्रतियोगिता में सफल छात्रों को पुरस्कृत कर उन्हें प्रोस्ताहित किया गया।

8. Outcomes :1. छात्र समीक्षा लेखन कला से अवगत हुए।
   2. छात्रों की योग्यता का पता लग गया।
   3. छात्रों की कलात्मक लेखन क्षमता को बढावा मिला।
   4. वैचारिक लेखन क्षमता विकसित हो गई।
   5. छात्र लेखन के लिए प्रेरित हो गए।

10. Signatures of Coordinator / organizer: डॉ. दीपक तुपे / डॉ. आरिफ महात